अऊर लडिक्याॅ खाना खाय लगेन।.

कई साल पहले भारत में एक गुणवान राजा क राज रहा।. ओन्हय एक लडिक्याॅ अऊर लडिकी रही।. ओन्हनक नाव रहा बंन्टी अऊर बबली।. सब जने कुशल-मंगल से रहत रहेन।. तकलीफ सीर्फ ई बातक रहा ह की बंन्टी अऊर बबली खाना नाय खात रहेन अऊर दिन ब दिन सुखल चला जात रहेन।. वैद्य बहुत इलाज किहेन कईठे टॉनिक दिहेन ।. दुध पियाऐन।. परंतु बन्टी बबली पेट भरके खाना नाय खात रहेन।. ओनकर सकर सेहत नाय बन पावत रही।. ओनहन ठिक से सोय नाय पावत रहेन।. ओन्हन के पिसाब बहुत होत रही।. पर संडास बहुत सक्त या न होत रही।.

हर दिन दवाई अऊर दुध पिययसे बंन्टी अऊर बबली के तकलीफ सहय पड़त रहा।. एक दिन दुनवजने घरेसे भागके राजधानी के बहरे जंगल में गऐन।. भाग्त- भाग्त थक्के एक्खे पेड के निचे बेहोश होई गऐन।. जंगल में रहय वाले आदिवासी जोडा रहेन ओनके

सके लडिक्याॅ नाय रहा।.दुनवजने लडिक्यन के देखने अऊर अपने घरे लई गऐन।. ओन्हनके खाना दिहेन पर ओनसभें कुछ नाय खाऐन।. वईसय बईठा रहेन।. अगले-बगलें वाले लडिक्यन कहय लगेन की बयठे- बयठे कईसे भुख लगी?बंन्टी, बबली ओनकर सक कर बात कहल सुनलिहेन।. तब दुनवजने जंगल देखय बिना निकल पड़ेन।. ओन्हन देखेन कि सब जने काम करथेन।. मधुमख्खी शहद जमा करत रहीत, अऊर चिट्टी शक्कर जमा करत रहिन।. आदिवासी फल, लकड़ी जमा करत रहेन अऊर शिकार करत रहेन।. बंन्टी, बबली ओन्हन क काम में मदत करय लगेन।. काम करब ओन्हनके अच्छा लगय लगा।। तब ओनके सक्के

जोर से भुख लगय लगी।. वह दिनासे दुनवझने बहुत खेलय लगेन, काम करय लगेन, पेट भरके खाना खाय लगेन अऊर अच्छेसे सोव्य लगेन।. दिन भर फल खाऐ के बावजूद, खाना भी अच्छेसे खाय लगेन।. सौ दिन में बंन्टी, बबली क सेहत खुब अच्छी भईल।. कुछ दिना बाद गॉव में मेला रहा।. बंन्टी, बबली सबके साथ मेलामें गऐन।. ऊहा खेल कूद में हिस्सा लेईके ओन सभे पहिला नंम्बर लियाऐन।. पुरस्कार देवय बिना राजा-रानी आऐन।. बंन्टी, बबली सेहत से बहुत अच्छा होय गयल रहेन इहीके नाते राजा रानी पहिचान नाय पाऐन।. दुनवझने राजा-रानी क गोड छुवेत अऊर कहे "हम आपक बंन्टी, बबली हईठ राजा बन्टी, बबली के घरे लेय गऐन।. बन्टी, बबली सबके बताव्य लगेन कि हमेसके हमेशा दुध-चाय, पतला अन्नज खियावा गयल।. ओसे भुख मर जात रहा।. ओना पानी क मात्रा ज्यादा रहत रहा।. ओसे हमार सकर भुख मर जात रही।.ओथासे हम सभे दुबर होई गऐ।.

तब निन्दव अच्छेसे नाय आवत रही।. जंगल में अईसन नाय होत रहा।. हमसबे बहुत फल अऊर, जंगलक मेवा खात भी करत रहे।.ओेसे हमें सके बहुत भुख लगत रही हमसबे खुब खाई अऊर तंदरुस्त होई गऐ। यह बात ध्यायें रखंय कि लडिक्यन के दुध, चाय, फल क रस, पतिर दाल, न देवय के चाही।. जमीनीपे जहॉ लडिक्यन क हाथ जहा आसानी से पहुचय ऊहा फलक टुकडा, लडिक्यन क पसंदिदा खाए वाली चीज रखयं।. ओन्हन के जेब में भी खाऐ वाला चीज भरके रखयं।. "सबसे अच्छा दान-मैदान' हर गाव में, हर वॉर्डमें लडिक्यन के खेलय से पसीना छुट्य अईसन खेल खेलय देयं।. देख कुल लडिक्यॉ अच्छेसे बढ़ीहीं।. भारत क भाग्य विदाता बनीहीं।. सब लडिक्यन के "कमर बंध' बाधं।. नत ढिल नत जोरसे कसल रहय अईसन।. लडिक्यन दुबर होईहीत ढिल होई, अऊर बढ़ जईहीत कसल रही।. लडिक्यॉ पनमें मोटापा टालय बीना अच्छा साबीत होई।. जे-जे अईसन किहेन ओनकर सकर लडिक्यॉ अच्छा तंदरुस्त भऐन।.

आप सबजने बन्टी बबली क कहानी सबके बताव।. अपने भाई-बहीन के बताव।. हम सभे अपने भाई भहिनीन के मित्रन के 15 भाषामें, 112 करोड, भारतीयन के टि.व्ही रेडिओ, समाचार पत्र, भाषण, एसएमएस, ई-मेल द्वारा बतावब।. आपुन अंन्दाज सबके बतयहीं।.